हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 4 अगस्त 2025

9 सड़क सुरक्षा नियमों के अनुसार ही चलाएं वाहन

10 नीरपुर राजपूत के सरपंच रतनपाल चौहान को...

## लोगों को उठानी पड़ रही परेशानी
# 50 हजार की आबादी पर केवल एक फॉगिंग मशीन, मच्छर जनित बीमारियां बढ़ीं

- नगर पालिका के पास हैं तीन फॉगिंग मशीन, कई दिनों से दो मशीन हुई खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर की 50 हजार से अधिक की आबादी और 15 वार्ड होने के बाद भी मच्छर मारने के लिए यहां केवल एक मशीन लगाई गई है। नगर पालिका के पास तीन मशीन हैं, जिनमें से दो कई माह से खराब हैं। ऐसे में शहर से मच्छर कम हो तो कैसे हो। शहर में फॉगिंग करवाने की जिम्मेदारी नगर पालिका को दी हुई है, लेकिन एक मशीन होने से पूर शहर में फॉगिंग का कार्य नहीं हो रहा हैं। बरसात होने के चलते इन दिनों मच्छरों का प्रकोप ज्यादा है, जिसके चलते लोग बीमार होने का भी डर बना हुआ है।

कॉलोनियों व सरकारी संस्थानों को छोड़कर बाकि कॉलोनियों व शहर के कई वार्डों में अब तक फॉगिंग नहीं की गई है। कर्मचारियों का कहना है कि जहां भी फॉगिंग करने की मांग आती है, वहां कर दी जाती है, ऐसे में शहर के लोग खुद ही मच्छर के डंक से बचने के उपाय करने में लगे हुए हैं, लेकिन नगर पालिका लोगों की मांग का इंतजार कर रहा है। महेंद्रगढ़ शहर में 15 वार्ड हैं और इन वार्डों में करीब 20 हजार की आबादी रहती हैं, इसके अलावा अन्य कॉलोनियों में तकरीबन 30 हजार की आबादी रहती हैं। इस समय मलेरिया, डेंगू फैलने का सीजन चल रहा है। मौसम परिवर्तन के चलते मच्छरों की भरमार है। शाम होते ही घरों में मच्छर का प्रकोप अपने चरम सीमा पर रहता है और घरों में मच्छर कही भी सही तरीके से बैठने नही दे रहा है। जिससे लोग काफी परेशान है। जुलाई में बरसात का मौसम शुरू होने के साथ मच्छर फैलने शुरू हो जाते हैं और सर्दी शुरू होने तक रहते हैं। इस दौरान मच्छरों के कारण मलेरिया व डेंगू के केस सामने आते हैं, लेकिन नगर पालिका शहर में फॉगिंग करवाने को गंभीर नहीं है। नगर पालिका को एक बार सभी कॉलोनियों व वार्डों में फॉगिंग करवानी होती है, लेकिन अब तक पालिका ने शहर केकुछ हिस्सों में ही फॉगिंग करवाई है, जबकि बाकी शहर में फॉगिंग आज तक नहीं हो सकी है, ऐसे में शहर वासी मच्छरों के डंक से कैसे बच पाएंगे। नगर पालिका के पास फॉगिंग के लिए केवल एक ही मशीन हैं।

बाकी दो मशीन नगर पालिका कार्यालय में खराब पड़ी हैं। करीब 50 हजार की आबादी और दर्जनों कॉलोनियां केवल एक ही फॉगिंग मशीन के सहारे हैं, ऐसे में मच्छर कम कैसे होंगे।

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय का मुख्यद्वार। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि फागिंग मशीन खराब है, इसकी जानकारी ली जा रही है। जल्दी ही मशीन को ठीक कराकर शहर में फॉगिंग कराई जाएगी, ताकि लोगों को मच्छरों के आतंक से मुक्ति मिल सके।

### रोज होनी चाहिए फॉगिंग

शहरवासी विक्रम, अनीता, सुनील सैनी, प्रदीप, सोहन, राकेश, अमित ने कहा कि मच्छर से आम लोगों में मलेरिया, टायफाइड, डेंगू जैसे बिमारी होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। बरसात होने की वजह से मच्छर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इससे आम लोगों में मच्छरों से बिमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है। पालिका द्वारा फॉगिंग के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करता है। पालिका द्वारा रोज दिन सभी वार्ड में फॉगिंग कराना चाहिए। ताकि मच्छरों के आंतक से मुक्ति मिले।

## खबर संक्षेप

### बिजली उपभोक्ताओं के लिए विशेष समाधान शिविर कल

**नारनौल।** दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु पांच अगस्त को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन बिजली निगम सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। जिससे मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस विशेष शिविर में 50000 से एक लाख रुपये तक के बिजली बिल मामलों पर सुनवाई की जाएगी।

### बेसहारा गोवंश गोशाला में भंडारा कल

**महेंद्रगढ़।** स्थानीय दोहान नदी क्षेत्र स्थित मोदाश्रम देवास रोड के पीछे बेसहारा गोवंश गोशाला में मंगलवार को बालाजी महाराज के विशाल भंडारे का आयोजन हर्षोल्लास से किया जाएगा। गोशाला प्रधान सूरज कुमार व डॉ. मोनू ने बताया कि बाबा के इस भंडारे में प्रातः 11 बजे से प्रशाद वितरण का कार्य प्रारंभ होकर देर शाम तक चलेगा। इस अवसर पर सूरजभान बोहरा, रिसाल सिंह, हवासिंह, मा. शैलेन्द्र, मनोज कुमार, कमल यादव उपस्थित रहे।

### मुंडियाखेड़ा मेला व भंडारा 6 को

**नारनौल।** बाबा बरखंडी का मेला व खेलकूद प्रतियोगिता छह अगस्त को गांव मुंडियाखेड़ा में आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही देशी घी का भंडारा भी आयोजित किया जाएगा। देशी घी के भंडारे के आयोजक पूर्व सरपंच विक्रम सिंह मुंडियाखेड़ा ने बताया कि गांव की ओर से पिछले 23 वर्षों से लगातार बाबा बरखंडी का मेला व भंडारा आयोजित किया जाता है। मेले का शुभारंभ सुरेश मुनि व प्रो. रोशनलाल यादव मुंडियाखेड़ा करेंगे।

## राजस्थान के झालावाड़ में घटित एक दर्दनाक हादसे के बाद उठाया कदम
# केंद्र के आदेशों पर शिक्षा विभाग करवा रहा सरकारी स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट

- प्राइमरी स्कूल नांगल काठा की स्थिति देखें तो कंडम की रिपोर्ट सबमिट होने के बावजूद नहीं गिराया गया है अब तक भवन, उसी में चल रहा स्कूल, खतरा

राजकुमार ▶▶ नारनौल

केंद्र सरकार के आदेशों के बाद शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों की सुरक्षा ऑडिट करवा रहा है। यह कदम राजस्थान के झालावाड़ में हाल ही में घटित एक दर्दनाक हादसे के बाद उठाया गया है, जहां पढ़ते वक्त कमरे की छत गिरने से लगभत सात बच्चों की मौत हो गई थी और करीब 21 घायल हो गए थे। इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया और सरकार को मजबूर किया कि वे स्कूलों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें।

उल्लेखनीय है कि सरकारी स्कूलों पर सरकार हर वर्ष मोटा बजट खर्च करती है। एक–एक स्कूल के सरकारी टीचरों एवं स्टॉफ की सेलरी से लेकर विद्यार्थियों के मिड डे मील एवं अन्य प्रबंधों पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन इसके बावजूद इनमें बच्चे खुद को असुरिक्षत महसूस करते हैं, जिससे बच्चों के अभिभावक भी चिंताजनक स्थिति में रहते हैं। गत 25 जुलाई को राजस्थान के झालावाड़ जिले में बने एक सरकारी स्कूल के कमरे की छत्त उस वक्त गिर गई, जब प्रातःकालीन सत्र में बच्चे कमरे के अंदर बैठकर पढ़ाई कर रहे थे। यह हादसा इतना दर्दनाक था कि इसमें 7 बच्चों को मौत ने लील लिया था, जबकि करीब 21 बच्चे घायल हो गए थे। झालावाड़ के स्कूल जैसी स्थिति अन्य जगहों पर उत्पन्न न हो, इसको गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार ने देश के सभी सरकारी स्कूलों में बिल्डिंग की सुरक्षा ऑडिट करवाना उचित समझा और राज्य सरकार को भी सुरक्षा ऑडिट करवाने के आदेश जारी कर दिए। अब उन्हीं आदेशों की पालना में सभी सरकारी स्कूलों की सुरक्षा ऑडिट करवाई जा रही है, जो दस दिनों के अंदर पूरी करनी है। इसके उपरांत जो डाटा कंडम या मरम्मत का निकल आएगा, संभावना है कि सरकार उस पर संज्ञान लेगी और आवश्यक कदम उठाएगी।

इन्हीं आदेशों की पालना में आजकल जिला महेंद्रगढ़ में भी शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों की बिल्डिंगों की सुरक्षा ऑडिट करवा रहा है। इस ऑडिट के दौरान जिला महेंद्रगढ़ में भी सरकारी स्कूलों के भवन या कमरे कंडम होने की शिकायतें मिल रही हैं, जिससे शिक्षक बच्चों की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर अगर कोई अनहोनी होती है तो सरकार की गाज गिरना तय है। इसलिए शिक्षा विभाग का यह कदम स्कूलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जहां से भी भवन या कमरे कंडम होने की शिकायतें आएंगी, वहां-वहां शिक्षा विभाग की एसएसए से जुड़ी इंजीनियर्स की ब्रांच दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगी और जांचेंगे कि स्कूल सुरक्षा मानकों को पूरा कर रहे हैं या नहीं। यदि सुधार की आवश्यकता होगी, वहां सुधार के लिए सिफारिशें की जाएंगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नारनौल। नांगल काठा स्कूल के कमरे में आई दरार व स्कूल की खराब पड़ी छत्त, जहां से टपकता है पानी।

**जिला में सरकारी स्कूलों की स्थिति**

| | |
|---|---|
| सीनियर सेकेंडरी स्कूल | 121 |
| हाई स्कूल | 34 |
| मिडिल स्कूल | 111 |
| प्राइमरी स्कूल | 467 |

### यह बोले एसडीई

शिक्षा विभाग के अधीन चल रहे एसएसए के कार्यवाहक एसडीई बलवंत सिंह ने बताया कि बिल्डिंगों की सुरक्षा ऑडिट लगभग हर साल करवाई जाती है। हमारे जिले में 20 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें कुछ कमरे कंडम हैं, जबकि लगभग 80 स्कूल ऐसे हैं, जिन्होंने मरम्मत मांग रखी है। उन्होंने बताया कि हमने स्कूलों की डिमांड के मुताबिक एस्टीमेट बनाकर प्रोफार्मा भरकर बीईओ को भेज रखे हैं। यह प्रक्रिया ऑनलाइन चलती है। जब भी बजट स्वीकृत होकर आए, आगे की प्रक्रिया चालू कर दी जाएगी।

### यह बोले बीईओ

शिक्षा विभाग के नारनौल ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी पवन कुमार भारद्धाज ने बताया कि सरकारी स्कूलों की बिल्डिंगों की सुरक्षा ऑडिट करवाने के आदेश आए हुए हैं, वह आदेश हमने स्कूलों के मुखियों को प्रेषित कर रखे हैं। उनकी रिपोर्ट आने का इंतजार है। रिपोर्ट आने के बाद ही अगला कदम उठाया जाएगा।

### फाइलों में धूल चाट रही रिपोर्ट

*सरकारी सिस्टम पर ठीक प्रकार से उचित समय पर कार्रवाई नहीं करने की बार-बार उंगलियां उठती रहती हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई कारगर सुधार देखने को नहीं मिल रहा, क्योंकि नांगल काठा का प्राइमरी स्कूल वर्षों पुराना है और इसका भवन अब जर्जर हो चुका है। बरसात में छतें टपकती हैं और दीवारों में दरारें भी आ चुकी हैं। ऐसे में कभी भी हादसा होने का डर बना रहता है। इसी को मद्देनजर रखते हुए वहां के शिक्षकों ने 29 सितंबर 2022 को स्कूल भवन की जांच करने के लिए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को पत्र लिखा। पीडब्ल्यूडी के एसडीई ने जेई को साथ लेकर प्राथमिक पाठशाला का दौरा किया और 30 जनवरी 2023 को रिपोर्ट तैयार करते हुए माना कि यह बिल्डिंग सुरक्षा के लिहाज से अनफिट है और यहां कभी भी हादसा हो सकता है। इसके बाद खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय को भी लिखित में सूचित कर दिया गया, लेकिन कमाल की बात है कि वह बिल्डिंग आज तक नहीं गिराई जा सकी है, जबकि उसी छत्त के नीचे बच्चों को टीचर पढ़ाने को मजबूर हैं। लगभग तीन साल होने को हैं, लेकिन रिपोर्ट फाइलों में धूल चाट रही है, उस पर अमल नहीं हो रहा। यदि अमल होता तो इतनी लंबी अवधि में पुराने भवन को गिराकर उसकी जगह नई बिल्डिंग तैयार भी हो चुकी होती और आज जो डर का साया मंडराया हुआ है, वह भी मिट चुका होता, लेकिन शायद शिक्षा अधिकारियों को अब यहां हादसा होने का इंतजार है।*

# कुंजपुरा में सीईटी, नीट की परीक्षा में कम अंक आने पर छात्रा ने किया सुसाइड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

- पुलिस ने आगामी कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंपा

अटेली खंड के गांव कुंजपुरा में एक छात्रा ने सीईटी, नीट की परीक्षा में कम नंबर आने पर जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया, जिसकी सूचना परिजनों के द्वारा पुलिस को दी गई पुलिस ने आगामी कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया। अंशु राजस्थान के बहरोड़ के पास एक कॉलेज में बीएससी फर्स्ट ईयर में पढ़ती थी। अंशु ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत अंशु को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे नारनौल के सरकारी अस्पताल रेफर किया गया। गंभीर हालत के चलते डॉक्टरों ने उसे बचाने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन उपचार के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि अंशु हाल ही में हुए नीट की परीक्षा दी थी, जिसमें उसके कम नंबर आए थे।

रिजल्ट के बाद से ही वह डिप्रेशन में थी। अब कहीं उसका अच्छे मेडिकल कॉलेज में दाखिला नहीं हो रहा था तो उसने मानिसक तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया कि कम नंबर आने पर जब वह परेशान रहने लगी तो परिवार ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन अंशु ने यह कदम उठा लिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया।

# रेखा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- रेखा वर्षों से वंचित व जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में जुटी

बच्चों की शिक्षा व उनके समग्र विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली समाजसेवी रेखा को हाल ही में प्रतिष्ठित डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें शिक्षा क्षेत्र में उनके निरंतर प्रयासों व अनुकरणीय सेवाओं के लिए मैजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के चेयरमैन डॉ. सीपी यादव की ओर से प्रदान किया गया। रेखा वर्षों से वंचित व जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में जुटी हैं।

उन्होंने कई शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत कर सैकड़ों बच्चों को न केवल शिक्षा से जोड़ा, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त किया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र सैनी इंटरनेशनल फर्स्ट एड ट्रेनर यूनाइटेड स्टेट अमेरिका ने कहा कि रेखा ने शिक्षा को एक आंदोलन का रूप दिया है। उनका समर्पण और बच्चों के लिए अथक परिश्रम समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस उपाधि के माध्यम से उन्हें न केवल राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक प्रेरणा बन गई है।

नारनौल। रेखा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

## राजकीय महाविद्यालय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन्स में दाखिले आरंभ
# एक साल का कोर्स है पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन्स नौकरी के दृष्टिकोण से उपयोगिता व स्कोप के अच्छे अवसर

- छह अगस्त से पोर्टल फिर से होगा ओपन, विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर ले सकेंगे फिजिकल काउंसलिंग में भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग की ओर से चलाए जा रहे पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन्स (पीजीडीसीए) कोर्स में दाखिले शुरू हो चुके है। यह एक साल का कोर्स हैं। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन्स (पीजीडीसीए) नौकरी के दृष्टिकोण से उपयोगिता व स्कोप अच्छे अवसर विद्यार्थियों को मिलते है।

वहीं यह कोर्स उन विद्यार्थियों के लिए एक अच्छा विकल्प है, जो कंप्यूटर क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। विशेषकर यदि उन्होंने नॉन आईटी बैकग्राउंड से स्नातक किया हो। यह डिप्लोमा उन्हें आईटी क्षेत्र में प्रवेश दिलाने में मदद करता है और सरकारी व निजी दोनों क्षेत्रों में नौकरी की संभावनाएं बढ़ाता है।

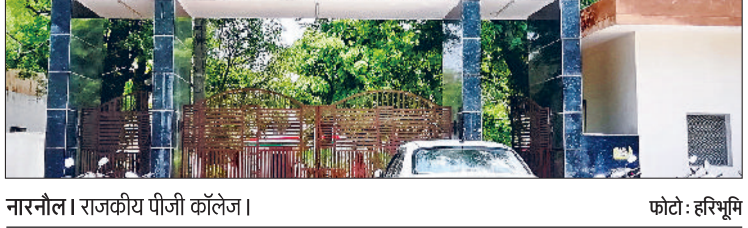


नारनौल। राजकीय पीजी कॉलेज। फोटो : हरिभूमि

### छह अगस्त से होगा पोर्टल ओपन

राजकीय पीजी कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि पीजीडीसीए कोर्स करने के बाद विद्यार्थियों को करियर बनाने के लिए अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन ज्यादातर विद्यार्थियों को इस कोर्स के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। इस कोर्स की पीजी कॉलेज में 40 सीटें स्वीकृत है। कोर्स में दाखिले के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। जिसके लिए पोर्टल 6 अगस्त से फिर से ओपन किया जाएगा। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद विद्यार्थी कॉलेज में उपस्थित होकर फिजिकल काउंसलिंग में भाग लेकर दाखिला ले सकता है।

***उच्च अध्ययन का विकल्प:*** पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन्स (पीजीडीसीए) के बाद छात्र एमसीए (मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) या अन्य आईटी से संबंधित कोर्सेज जैसे एमएससी (कम्प्यूटर साइंस), एमबीए (आईटी), एमएससी (आईटी) आदि कर सकते हैं। जिससे करियर के और बेहतर अवसर मिल सकते हैं।

### सरकारी क्षेत्र में अवसर

पीजीडीसीए कोर्स धारकों के लिए कई सरकारी विभागों में नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। जैसे डाटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, क्लर्क कम कंप्यूटर सहायक, तकनीकी सहायक, आईटी सहायक, रेलवे, बैंक और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में कंप्यूटर आधारित पद शामिल है।

**निजी क्षेत्र में अवसर**

वहीं पीजीडीसीए कोर्स धारकों को विभिन्न निजी कंपनियों में पदों पर नौकरी मिल सकती है। जैसे वेब डिजाइनर, सॉफ्टवेयर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव, सिस्टम एनालिस्ट, नेटवर्क सपोर्ट इंजीनियर, कंप्यूटर टीचर या ट्रेनर, डेस्कटॉप सपोर्ट व आईटी सपोर्ट आदि शामिल है।

**शिक्षा क्षेत्र में**

स्कूलों, कॉलेजों तथा कोचिंग संस्थानों में कंप्यूटर शिक्षक की नौकरी, कंप्यूटर ट्रेनिंग संस्थानों में ट्रेनर या इंस्ट्रक्टर आदि शामिल है।

**फ्रीलांसिंग व स्वरोजगार**

वेबसाइट डिजाइनिंग, डाटा एंट्री प्रोजेक्ट्स, ऑनलाइन ट्यूटरिंग, कंप्यूटर सेंटर खोलना आदि।

# ब्राह्मण सभा के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न, दिनेश चंद्र वैद्य बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

ब्राह्मण सभा के चुनाव रविवार को छह पदों के लेकर चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न करवाए गए। चुनाव में प्रधान पद के लिए दिनेश चंद्र वैद्य व मुकेश कुमार के मध्य कांटे की टक्कर रही। जिसमें दिनेश चंद्र वैद्य को 23 व मुकेश कुमार को 15 मत मिले। दिनेश चंद्र वैद्य आठ मतों से विजेता घोषित किए गए। जीत के बाद नवनियुक्त प्रधान को फूलमाला पहनाकर बधाई दी।

चुनाव अधिकारी सतीश कुमार जोशी ने बताया कि सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक चुनाव हुए। चुनाव में कॉलिजियम के 39 वोट थे। लेकिन एक वोट नहीं डालने के कारण कुल 38 मतदान करवाए गए। महेंद्रगढ़ स्थित भगवान परशुराम मंदिर में रविवार को चुनाव संपन्न हुए। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई, जिसमें समाज के सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

मतगणना के बाद सभी पदों के विजेताओं की घोषणा कर दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रधान पद के लिए हुए मुकाबले में दिनेश वैध को 38 वोटों में 23 मत मिले, जबकि मुकेश शर्मा को 15 मत प्राप्त हुए। दिनेश दिनेश चंद वैद्य दूसरी बार प्रधान चुने गए। रमेश कौशिक ने 27 मतों के साथ उपप्रधान पद पर विजय हासिल की, जबकि सतीश लाटा को 10 मत मिले।

एक मत रद्द घोषित हुआ। सचिव पद के चुनाव में नरेश कुमार ने 20 मत पाकर जीत दर्ज की। विनोद बुचौली को 18 मत प्राप्त हुए। सह सचिव पद के लिए नरेश ने 20 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि जितेंद्र शर्मा को 18 मत मिले। कार्यकारणी के सदस्यों में रविंद्र ने 21 मतों से जीत हासिल की, जबकि मधुकर वशिष्ठ को 17 मत मिले। दीनदयाल को 26 लेकर जीत दर्ज की जबकि मुकुट बिहारी को 12 वोट मिले। कृष्ण बेवल को 25 मत मिले, सुरेश चंद्र को 13 मत मिले। कार्यकारिणी सदस्य में रामचंद्र और रामेश्वर दयाल उम्मीदवार रहे।

महेंद्रगढ़। नवनिर्वाचित सदस्य को माला पहनाकर स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

*शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।*

**- रविंद्रनाथ टैगोर**

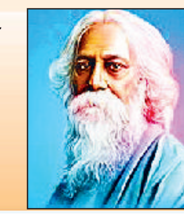

**शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप-प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे।**

कहानी

नवरत्न

# आवाज़ें

अब तो शारदा को बिना आवाजों के जीने की आदत हो गई है और साहब को भी अब बिना आवाजों के जीना पड़ेगा.....क्योंकि आवाजें चली गई हैं... सदा सदा के लिए... हालांकि कभी-कभी वह महसूस करता है कि आवाजें जरूरी होती हैं....क्योंकि वह हमारे होने का पता देती हैं.... आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें भी हैं..... आवाजें हमारी श्रवण शक्ति का प्रमाण ही तो हैं... आवाजें न हों तो हमारे न होने का भ्रम पैदा होता है..... लगता है जैसे हम हैं ही नहीं... लेकिन आवाजें चली गई और अपने साथ कानों को भी लेती गई.... शारदा घर में थी तो जैसे उसकी खुसर-पुसर ... दबे पांव चलने की कलाकारी ... जिंदगी का पता देती थी... लेकिन अब तो तमाम फुसफुसाहटें बीते जमाने की बातें हो गई हैं। शारदा को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती ... जब उसे सिंक में बर्तन साफ करने होते ... हालांकि वह बहुत ध्यान से एक एक बर्तन पर विम लगाती ... फिर पानी की टोंटी का प्रेशर ध्यान से खोलती ... पानी गिरने की आवाज भी कभी-कभी उसे चौंका देती... खासकर तब, जब बर्तन बड़ा होता और साहब घर पर होते... लेकिन वह झट से पानी को और भी कम कर देती क्योंकि साहब को आवाजें पसंद नहीं ...

उसे याद है शादी के बाद एक दो-बार को छोड़कर कभी भी साहब को यह नहीं कहना पड़ा..... शारदा..sss.......अब तो साहब ने कालेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है। ज्यादातर घर ही रहते हैं। लिखते-पढ़ते हैं और पेंशन के अलावा अपने लिखने से ही काफी कमा लेते हैं। वे अखबारों में लिखते हैं ... किताबें लिखते हैं... उनके पास दुनियाभर की बातें होती हैं ... लिखने को अकेले घंटों बैठे रहते हैं और हुक्का गुड़गुड़ाते हैं । हुक्का भी उनका छोटा सा ही है..... क्योंकि उन्हें पता है... बड़ा हुक्का ज्यादा आवाज करता है । शारदा की और साहब की उम्र में हालांकि 12 साल का फासला है... लेकिन फिर भी शारदा को अपना चुपज़दा जीने का ढंग सीखने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके लिए वह अपनी दादी मां की बड़ी शुक्रगुजार है। उसे याद है जब वह छोटी थी ...महज 9 साल की ... पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी । बड़ा परिवार था । सब भाई बहन खाना खा रहे थे ।खाना खाकर शारदा ने जोर से डकार मारी...तो दादी ने तुरंत उसकी क्लास ले ली थी... ए !! लड़की !! ये क्या बेशर्मी है ? कुछ तो तमीज सीख ले... इतनी बड़ी हो गई है... और किसी बात की लियाकत नहीं है। खबरदार !! जो इतनी जोर से डकार मारी... अगले घर जाएगी... तो नाक कटवाएगी अपने बाबा की । बाबूजी भी सुनकर भीतर आए थे ... उसे याद है ... हालांकि बाबूजी ने तो उस दिन उसी की तरफदारी की थी। उन्होंने कहा था 'अरे ! क्या अम्मा ..छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को डांटती हो... हो जाएगी सयानी अम्मा... अभी बच्ची है...। अम्मां को हालांकि दादी का डांटना बुरा लगता था। लेकिन वह कभी बोल कर उनका विरोध नहीं करती थी । बहुत हुआ तो बस किसी बहाने से बच्चे को पकड़ कर अंदर ले जाती थी। घर में... खासकर लड़कियों का ऊंचा बोलना ... खाते वक्त पचर-पचर की आवाज करना... जोर से दरवाजा बंद करना... कुंडी को जोर से खोलना व जोर से हंसना ... बिल्कुल बैन था। उसे याद है जब एक बार सब आंगन में बैठे थे । शाम का वक्त था ... बड़े पलंग पर बच्चे मस्ती कर रहे थे... कि बड़की ने पाद मार दिया और सब बच्चे हंसने लगे, पहले धीरे-धीरे फिर जोर जोर से... छोटू की हंसी तो रुक ही नहीं रही थी.... कि दादी से रहा नहीं गया और वह फट पड़ी... क्या बेशर्मों की तरह दांत निकाल रहे हो..... कुछ तो शर्म करो... बड़े छोटे की ... और छोटू ने कहा था ..'दादी अम्मा !! बड़की ... और... बड़की चुपचाप उठकर अंदर चली गई थी। उस दिन शारदा को एक सबक मिला और फिर वह इस तरह की समस्याओं से निपटना सीख गई। साहब तो शादी भी नहीं करना चाहते थे । उन्हें छब्बीस साल की उम्र में नौकरी मिली और करीब सात साल तक शादी से बचते रहे। हालांकि इस बीच परिवार का दबाव भी आया। लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। कॉलेज में भी ले देकर एक मित्र था उनका, जिससे उनकी पटती थी । उसने भी बहुत कहा... 'यार ! शादी कर लेता.. तो हम भी तेरी बारात में नाच लेते एक दिन ... बीयर वीयर पीकर । कसम से ... आज तक नाचा नहीं हूं ... यार !! और यह हसरत मेरे साथ ही जाएगी...तो देख! तुझे पाप लगेगा .. देख ले... और साहब हंस कर टाल जाते। फिर एक दिन इतवार को वे अपनी बूढ़ी अम्मा के साथ शारदा को देखने आए। शारदा तब इक्कीस की थी और बी. ए. करके पढ़ाई छोड़ चुकी थी। साहब तैंतीस के हो चुके थे और शारदा उनसे बारह साल छोटी थी.. लेकिन गनीमत यह थी कि साहब तैंतीस के लगते नहीं थे और शारदा का भरा हुआ शरीर उसे किसी भी कीमत पर पच्चीस से नीचे दिखाने को तैयार नहीं था। साहब को भी अब जिंदगी की सच्चाई का पता चलने लगा था। भाई वाई सब अपने -अपने काम धंधे जमा कर अपना अलग आशियाना बसा चुके थे। घर में मां और वे बस दोनों ही रह गए थे। मां की क्षमताएं अब धीरे-धीरे चूक रही रही थी तो उनका मन बना कि चलो अब शादी की जानी चाहिए और वे शारदा को देखने पहुंच गए।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर । शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे। बाबूजी की उन्होंने बस दो बातें मान ली थी कि .. एक... इतवार को मुहूर्त नहीं है, अतः आप गुरुवार को आएं...और दूसरी ... हमारी अम्मा जी चाहती हैं कि वरमाला के साथ फेरे जरूर हों और यह दोनों बातें साहब ने मान ली थी । बाकी तो बाबूजी, अम्मा जी और शारदा भी किसी प्रकार के ढोल ढप्पर और बड़े तामझाम के पक्ष में नहीं थे। शारदा जब आई तो उसने देखा कि उसका खूब सारी जगह में खूब सारे दरख़्तों के बीच तीन कमरों का अस्त-व्यस्त मकान है। उसके सभी कमरे लाइब्रेरीनुमा हो गए हैं। अम्मा जी के कमरे में भी किताबें हैं। साहब का कमरा तो है ही किताबों का समंदर। बाहर बरामदे में भी यत्र-तत्र पुराने अखबारात, तरह-तरह के रसाले, चिट्ठियां, पत्रिकाएं भरी पड़ी हैं। पीछे खूब बड़ा सा गुसलखाना है लेकिन लकड़ी का एक पुराना रैक वहां भी है और उस पर भी नए-पुराने अखबार, पत्र -पत्रिकाएं पड़ी हैं। दो बड़े कमरों के बीच रसोई है तथा दोनों कमरों व रसोई से बाहर निकलो तो बरामदे में एक बड़ा दरवाजा आने-जाने के लिए है। यानी बरामदे के दरवाजे को बंद कर दो तो फिर कमरा और रसोई को बंद करने की कोई जरूरत नहीं रहती । शारदा को करीब एक सप्ताह लगा... कि उसने घर को एक करीना दिया। अब सब कुछ यहां व्यवस्थित था। शारदा को शुरू में बहुत ताज्जुब होता कि यहां आवाजें बहुत कम सुनाई देती हैं। साहब और अम्मा जी बाहर पेड़ों के नीचे घंटों बैठे रहते लेकिन बिल्कुल चुपचाप .... कभी कुछ उनमें बातचीत भी होती तो बिल्कुल धीरे-धीरे फुसफुसाते हुए। कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब कुछ लिख रहे हैं या पढ़ रहे हैं और अम्मा जी चुपचाप बैठी हैं और उन्हें देखती रहती हैं या कि कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। एक निश्चित समय पर शारदा चाय बना लाती। तीनों चुपचाप बैठकर चाय पीते। अब तो शारदा साहब के देखने भर से समझ जाती हैं कि उन्हें क्या चाहिए या की चाय कैसी बनी है। साहब की पसंदगी-नापसंदगी सब पता है शारदा को। यहां तक कि साहब के साथ बिस्तर पर भी... हालांकि शुरू-शुरू में उसकी सांसें खूब तेज हो जाती थी। अंतरंग क्षणों में और चरम पर पहुंचकर वह खूब जोर से चीखना चाहती.... फिर एक बार साहब ने उन्हें फुसफुसाते हुए ..कहा था कि सांसों को व्यवस्थित रखने से समय बढ़ता है और आंखें बंद कर इस आनंद को पी जाने से चरम सुख कई गुना हो जाता है। सुनकर वह चौक गई थी और बीच रास्ते से ही वापस लौट आई थी। अब तो खैर बच्चे हो गए हैं और बच्चे भी चुपचाप ही हुए शारदा को .... निक्की के समय तो उसे समझ ही नहीं आया काफी समय कि यह सब कैसे होगा.... डॉक्टर को ताज्जुब हो रहा था कि यह कैसे चुपचाप आंखें बंद किए लेटी है। ऐसे समय में बहुत सी औरतें तो पूरा बखेड़ा खड़ा कर देती हैं। आसमान सिर पर उठा लेती हैं। हालांकि डिलीवरी घर पर ही हुई दोनों ... लेडी डॉक्टर घर पर ही आ गई थी। असल में शारदा को टेक्निक थोड़ी लेट समझ आई। डॉक्टर बार-बार कह रही थी कि जोर लगाओ... को-ऑपरेट योरसेल्फ ... लेकिन शारदा कंफ्यूज की ... जोर कहां लगाना है ... उसे नहीं पता कि को-ऑपरेट किसको करूं? सेल्फ मतलब कौन ? वो तो भला हो उस नर्स का जो डॉक्टर के साथ आई थी उसकी हेल्प करने को ... जब डॉक्टर थोड़ी देर के लिए वॉशरूम गई तो नर्स ने उसे फुसफुसाते हुए एक सूत्र बताया कि.. बीबी जी जब टॉयलेट जाते हैं तो कैसे जोर लगाते हैं.. पता है ना? तो बस! वैसे ही जोर लगाओ... और कमाल की टेक्निक उसके हाथ लगी ... अगली पांच-सात मिनट के बाद निक्की उसके पास सो रही थी। असल में फुसफुसाकर कही गई बातें शायद शारदा को जल्दी समझ में आती हैं। और फिर प्रसव पीड़ा का इजहार तो वह इसलिए भी नहीं करना चाहती थी कि उसे पता था ... साहब बाहर शहतूत के नीचे चुपचाप बैठे हैं और उन्हें बुरा लगेगा। कुक्कू के वक्त तो बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उसे डॉक्टर की बात याद थी कि को-ऑपरेट योरसेल्फ ...और कुक्कू बड़े आराम से आ गया.. डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही ... चुपचाप ... बिना आवाज ...मां बनने के बाद तो शारदा और भी कुछ आवाजों की अभ्यस्त हो गई है। वह इन आवाजों में कुछ बेआवाज तलाश रही है। वह जो चुपचाप चला आता है... वात्सल्य ... और दोनों स्तनों से बहता हुआ... वह जीवन द्रव्य कभी आवाज नहीं करता। रात को कुक्कू कुनमुनाता है तो न जाने कब चुपचाप यह जीवन- रस-स्त्रोत उसके छोटे-छोटे होठों के बीच पहुंच जाता है ...और साहब बिलकुल बेखबर सोते रहते हैं।

**मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।**

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है। जैसे कि कभी कुक्कू खेलता-खेलता गिर जाता है । हालांकि वह आवाज नहीं करता लेकिन शारदा के दिल पर दस्तक होती है या कि वह कभी भूखा होता है और शारदा काम में व्यस्त ... तो उसकी आत्मा पर अचानक थपकी पड़ती है और वह फौरन समझ जाती है। **- क्रमशः**

---

कविता | पं. कमल कांत भारद्वाज

## सावन रस

*सावन आया, सावन आया*
*देखो बादल और वर्षा लाया*

*डाल-डाल पर झूले डले हैं*
*चारों और फूल खिलें हैं*

*कोयल मोर पपीहा बोले*
*आओ सब मिल मल्हार बोलें*

*कान्हा से राधा बोलीं*
*बजाओ कान्हा तुम मुरली*

*इस वर्षा में सब भीगे रहें हैं*
*अपने मन को सब सींच रहे हैं*

*धरती यौवन से झूल रही है निर्जन*
*आँखों को आशाएं घेर रही हैं*

*कलियों पर आया उभार है*
*भँवरों पर चढ़ा मादकता का ख़ुमार है*

*सावन आया सावन आया*
*मनोरम मनभावित दृश्य है बनाया*

कविता | डॉ.कंचन मखीजा

## मैं क्या हूँ

*मैं अन्न का एक अंश हूँ-*
*जैसा दोगे भोजन,वैसा शरीर बन जाऊँ।*
*शुद्ध सात्विक अन्न मिले तो बनूँ ऊर्जा-*
*दूषित मिले आहार तो रोग विकृत बन जाऊँ।।*

*मैं विचारों की गूंज हूँ-*
*शब्दों के स्पंदन से मन की ध्वनि सुनाऊँ।*
*जीवन दिशा को तय करने वाला-*
*सूरज मैं बन जाऊँ।।*

*मैं व्यवहार की छाया हूँ-*
*कर्म कृति में आकर कर जाऊँ।*
*पीछे जो छूटा वो बंधन हूँ -*
*रक्त हृदय में बन जाऊँ।।*

*अन्न को समझों, मन को साधो,*
*चाल-ढाल से जीवन को मांझों।*
*आहार, विचार, व्यवहार में सच की-*
*दिव्य दृष्टि से खुद को आँको।।*

*अभी समय है, संभलो तुम,*
*भाव भक्ति के भर लो तुम।*
*आत्म ज्योति प्रदीप्त करो और-*
*जग में ओज बिखेरो तुम।।*

*विलय करो सब न्यून अहम् ।*
*योगः कर्मसु कौशलम् ।।*

कविता | सुमन जाजू

## सैनिक भाई को पत्र

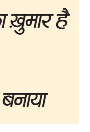

भैया, ये राखी भेज रही हूँ,
तेरे नाम का तिलक सहेज रही हूँ।
सीमा पर जो तू डटा खड़ा है,
वो मेरा गर्व, मेरा गहना बड़ा है।

तेरी बहन आज नहीं रोएगी,
तेरे साहस पर बस नाज़ ही बोलेगी।
हर साल जब तू दूर रहा,
मैंने राखी को और मजबूत कहा।

भैया, तू सिर्फ मेरा नहीं,
ये भारत माँ का वीर सपूत सही।
तेरी वर्दी में जो तेज है झलकता,
हर बहन का आशीष तुझमें दमकता।

तेरी हर गोली में विश्वास है,
तेरे कदमों में पूरा आकाश है।
जहाँ तू है, वहाँ डर की जगह नहीं,
तेरे जैसा भाई, हर बहन को कहीं नहीं।

आज मैं बाँध रही हूँ शब्दों की डोरी,
जिसमें प्रेम भी है, शक्ति की बोरी।
तू जिए सौ साल, वीरता के संग,
तेरे नाम का गाए ये भारत हर रंग।

राखी का ये धागा, तुझ तक उड़ चला,
देशभक्ति में रंगा, मेरा अभिमान चला।
सैनिक भाई, तू लौट के जल्दी आना,
तेरी बहन ने फिर गुलाब जामुन है बनाना।

कविता | डॉ.कमलेश मलिक

## सावन की बहार

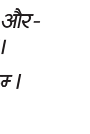

बहें झोंके पवन के
जब बहारें झूम सी उठतीं
कहीं पीड़ा जगा देता
बरस जाता कहीं बादल
धरा का उर धड़क उठता
लहराता कहीं आंचल

दहकता है कहीं जियरा
हिलोरें हूक सी भरतीं
खुलते पंख मयूरों के
चातक रटता पिहू पिहू
छप्पर से मोती टपके
कोयल गाती कुहू कुहू

छमाछम नाचती बूंदें
सुरीली बांसुरी बजतीं
अंबर से उतरीं भू पर
नदी बनकर बही जातीं
समंदर को वरण करने
उलझतीं और टकरातीं

निज अस्तित्व खो देतीं
उसी में डूब सी जातीं
कहीं बहती है पुरवाई
कहीं बरपा कहर भारी
कहीं तो चांदनी बिखरे
कहीं घिरती है अंधियारी
प्रकृति का यही नर्तन
लताएं झूल सी उठतीं

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

---

**वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वशिष्ठ का आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि साहित्य कभी मर नहीं सकता और बदलते परिवेश में सोशल मीडिया और टीवी ने पुस्तकों से ध्यान हटाया है, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आज भी साहित्य खूब पढ़ा जा रहा है और पाठक प्रतिक्रिया भी खूब दे रहे हैं। उनकी नजर में लेखक जन्मजात होते हैं, उन्हें जबरन इजाद नहीं किया जा सकता।**

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

# यथार्थ को कथ्य में समाहित करना आवश्यक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा के लेखकों ने विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार डॉ. सुरेश वशिष्ठ अपनी लेखनी के जरिए साहित्यिक और सांस्कृतिक साधना करने में जुटे हैं। उन्होंने एक रंगकर्मी, नाटककार, कथाकार और उन्यासकार के अलावा रंगकर्मी के रूप में सामाजिक सरोकारों के मुद्दों को उजागर करते हुए संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और अतीत से रूबरू कराने का प्रयास किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें कोई भी लेखक और कलाकार यथार्थ की हकीकत को कथ्य में समाहित करके अपनी संस्कृति से विमुख होती युवा पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक डा. सुरेश वशिष्ठ का जन्म 14 मार्च 1956 को दिल्ली के बरवाला गांव में पं. रघुवीर सिंह शर्मा व इन्द्रावती के घर में हुआ। वशिष्ठ के पूर्वज ठाकुरद्वारे की पूजा-अर्चना में पुजारी रहे और वाचन भी करते थे। उनके पिताजी दिल्ली के शिक्षा विभाग में शिक्षक, मुख्य शिक्षक और सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वहीं धार्मिक पुस्तकों का लेखन भी करते रहे। परिवार के ऐसे परिवेश में उनका प्रेरित होना स्वाभाविक था, जिसके चलते उन्हें लिखने की प्रेरणा मिलती रही है। बकौल सुरेश वशिष्ठ, उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव बरवाला में ही हुई। जबकि उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से पूरी की। बाद में उन्होंने जामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली से 'हिन्दी नाटक और रंगमंचः बर्टोल्ट ब्रेख्त का प्रभाव' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। उन्होंने दिल्ली सरकार के अधीनस्थ विद्यालयों में प्रवक्ता (हिन्दी) के पद पर अनेक वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद साल 2006 में द्वारा उनकी प्रधानाचार्य पर नियुक्ति हुई और इसी पद से वे 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुए। साहित्यिक अभिरुचि के चलते उन्होंने शुरू में व्रत कथाओं को लिखना शुरु किया। जब वे नौवीं कक्षा में थे, तो हरियाणा के सोनीपत के एक गाँव में उनके मामा उनके पिताजी को हरियाणा के किसी गाँव में हुई घटना सुना रहे थे, तो उन्होंने भी उसे सुना और अगले दिन उसे अपनी कलम से लिख डाला। इस पर उनके एक सहपाठी ने शिक्षक से उसके नोवल लिखने की शिकायत की। इस पर शिक्षक ने आँखें तरेरी और जो लिखा था, उसे दिखाने को कहा। उनके मन में था कि उसे डाँट पड़ेगी, लेकिन शिक्षक ने जब उनकी लिखी कहानी को पढ़ा और पूछा कि यह सब लिखने का विचार कैसे आया, बताने पर मुझे शाबाशी मिली और वह उनकी पहली कहानी थी। लेखन और साहित्यिक सफर में परेशानी को लेकर डा. वशिष्ठ का कहना है कि लिखना दिलचस्प भी है और दुखदाई भी। लेकिन यथार्थ में जो हो रहा है, उसे लेखन का विषय बनाया जाना चाहिए। उसके बाद उन्हें कथा-कहानी और शेरो-शायरी और फिर अभिनय का शौक चर्राया। कक्षा नौ में स्कूल के एक उत्सव में 'श्रवण कुमार' नामक नाटक में पहली बार अभिनय किया। फिर उन्होंने कॉलेज में अभिनय के साथ नाट्य लेखन की शुरुआत की और उनका पहला और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' इतना प्रसिद्ध हुआ कि उन दिनों उसके पूरे भारत में पाँच हजार से ज्यादा शो हुए। हरियाणवी उनकी मात्रभाषा है लेकिन वह अपना लेखन हिन्दी में ही करते हैं। उनकी कहानियां, लघुकथाएं, हिंदी के लोकनाट्य और कला रंग और लोक (आलोचना) जैसे आलेख और साक्षात्कार देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डा. सुरेश वशिष्ठ के साहित्य पर पीएचडी और एमफिल की उपाधि के लिए शोधकार्य भी हुए। उनके लेखन के फोकस में यथार्थ को दिखाना रहा है, क्योंकि रचनाकार की नजर यथार्थ पर जरूर रहनी चाहिए। डा. सुरेश वशिष्ठ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' में पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणा में, प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत नाट्य प्रमुख, प्रांत साहित्य प्रमुख जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। वहीं वे तीन वर्ष तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) में सदस्य रहे। इसके अलावा कला, रंग-कर्म और लेखन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

### प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वरिष्ठ ने करीब तीन दर्जन नाटक, करीब पाँच सौ कहानियाँ, दो दर्जन बाल पुस्तकें और पाँच उपन्यास लिखे हैं। उनके कहानी संग्रहों में प्रमुख रूप से खुरदरी जमीन, चली पिया के देश, सिपाही की रस्म, घेरती दीवारें, बहती धारा, लोकताल, श्रंगारण, नीर बहे, ताल मधुरम, झीनी-झीनी रोशनी (भाग-एक), छलकते कलश (भाग-दो), भुला नहीं सका हूँ कहानियाँ, रक्तचरित्र कहानियाँ, अधूरी दास्तान कहानियाँ, सफर कभी रुका नहीं कहानियाँ, निर्झर नीर (खंड-पांच) कहानियां, आदि शामिल हैं।

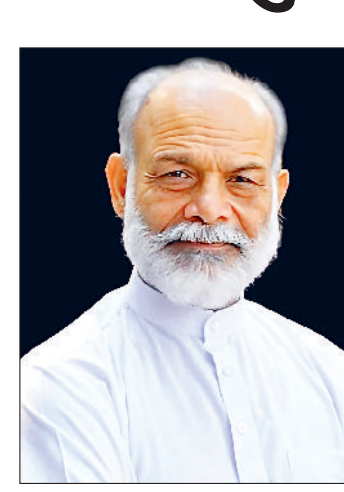

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

### पुरस्कार व सम्मान

डा. सुरेश वशिष्ठ को हिन्दी साहित्यकार गौरव सम्मान, साहित्यकार सम्मान, साहित्य आराधना सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, सारस्वत सम्मान, साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन,प्रस्तुत आलेख सम्मान, सामाजिक गौरव पुरूस्कार, विमल शुभ स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, शब्द शक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व-शान्ति सम्मान, डा.राधाकृष्णन सहस्त्राब्दि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, शिक्षक गौरव सम्मान, गौरक्षक एवं कला सम्मान आदि पुरस्कार एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

### व्यक्तिगत परिचय

**नाम** :डॉ. सुरेश वशिष्ठ
**जन्मतिथि** : 14 मार्च 1956
**जन्म स्थान** : बरवाला गाँव, दिल्ली
**वर्तमान निवास** : गुरुग्राम, हरियाणा
**शिक्षा** : एम.ए (हिन्दी) बी.एड. पी-एच.डी.
**संप्रति** : साहित्यकार, रंगकर्मी, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार सेवानिवृत्त प्राचार्य

---

# जीवन तक दर्शन समझाती 'जीवन के अंधेरे उजाले'

**पुस्तक :** जीवन के अंधेरे उजाले
**लेखक :** डॉ. हरीशचंद्र झंडई
**मूल्य :** 250 रुपये
**प्रकाशक :** बोधि प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

डॉ. हरीशचंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'जीवन के अँधेरे उजाले' इंसान के जीवन की विविधताओं को दर्शाता है। जैसे जीवन में खुशियां और गम आते हैं। जैसा कि स्वयं कवि स्वयं लिखते है कि हमारे जीवन में कई भावनाएं रहती है, जिनसे हमारा जीवन प्रभावित होता है। यही जीवन का दर्शन है। इसी दर्शन से पाठक को रूबरू करवाती है पुस्तक 'जीवन के अँधेरे उजाले'। संग्रह में कुछ 82 कविताएं संकलित की गई है। इन कविताओं में इंसानी रिश्तों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक परिदृश्य देश हित, देशभक्ति और मातृशक्ति के प्रति चिंतन के साथ-साथ त्योहारों की सुंदरता का वर्णन भी देखने को मिलता है। 'कुछ अंधेरे कुछ उजाले' में कवि ने यह समझाने का प्रयास किया है कि इंसान की अपनी कभी नकारात्मक सोच के कारण कैसे जिंदगी प्रभावित होती है और यदि व्यक्ति धैर्य रखे तो समय बदलेगा और एक नई जिंदगी की शुरुआत होगी। संग्रह की पहली कविता बेटे की पुकार के माध्यम से एक परिवार के ऐसे बेटे का दर्द उभारा है जो बहन के प्यार के लिए तरसता है। ऐसे में इस कविता से कवि ने संदेश दिया है कि हमें आपकी बेटियों की रक्षा करनी चाहिए और भ्रूणहत्याã जैसे कलंक को समाज से मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। 'दिखती है कभी-कभी महिला शक्ति' में कवि ने समझाया है कि किस तरह से दमन के बावजूद महिलाएं अपने हौसले के दम पर ऊंचाइयों को छूती हैं और अपनी प्रतिभा साबित करती हैं। तब समाज का विस्मित कर देती हैं। 'प्रकृति की छाँव' के माध्यम से ५२ी सूरज की गर्मी और पक्षियों की चहचहाहट का जिक्र करते हुए कवि पे यह समझाने का प्रयास किय है कि इंसान के जीवन में कितनी भी कठिनाइयों आएं, लेकिन उन कठिनाइयोंत को अंत होना भी निश्चित है। जल ही शक्ति है कविता में डॉ. झंडई ने पानी का महत्व बताने का प्रयास किया है कि यह जीवन के लिए कितना आवश्यक है कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। इस रचना के जरिए कवि ने जल संरक्षण का संदेश दिया है। 'आओ हाथ बढ़ाएं' के माध्यम से कवि ने सभी का आह्वान किया है कि आज की बदलती दुनिया में हमें भी समय के साथ बदलना है। आइए हम दूसरों का मार्गदर्शन करें और दूसरों की तरफ हाथ बढ़ाएं। हरीशचंद्र झंडई के प्रस्तुत संग्रह की भाषा सहल, सरल एवं सीधी-सादी है। संग्रह की रचनाएं अपना संदेश पाठकों तक पहुंचाने में सफल नजर आती हैं। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

**खबर संक्षेप**

नारनौल। शहर में प्रभातफेरी निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

## शहर में निकाली 150वीं प्रभातफेरी

**नारनौल।** श्रावन मास के अंतिम रविवार के पावन अवसर पर शहर की प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में 150वीं प्रभात फेरी का आयोजन श्याम कॉलोनी नजदीक सुभाष स्टेडियम से किया गया। सर्वप्रथम पंडित मनमोहन शर्मा ने प्रभात फेरी के मुख्य यजमान यशपाल शर्मा परिवार से ठाकुर जी व निशान का पूजन करवाया। गीता पाठ करके प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। संगठन के संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि राधाकृष्ण महाराज की प्रेरणा से राधा नाम की अलख जगाने वाली संस्था प्रभात फेरी संगठन समय समय पर निशान यात्रा का आयोजन भी कर रही है। संगठन के वरिष्ठ सदस्य सीताराम चौबे ने बताया कि आने वाले दान को गोमाता की सेवा व मानव सेवा में इस्तेमाल किया जाता है।

### जिला न्यायिक परिसर में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का समापन कार्यक्रम आयोजित

# सड़क सुरक्षा नियमों के अनुसार ही चलाएं वाहन: नरेंद्र सूरा

- सड़क सुरक्षा अभियान के तहत एक माह तक विभिन्न स्थानों पर किए जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

जिला न्यायिक परिसर में गतदिवस सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा पर प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी भी मौजूद थी।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जागरूक करने के लिए एक माह तक विभिन्न स्थानों पर वाद विवाद प्रतियोगिताएं, चित्र लेखन प्रतियोगिताएं, स्लोगन प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई। यह कार्यक्रम जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, सरकारी व निजी स्कूलों, महाविद्यालय व विश्वविद्यालय आयोजित कर छात्र छात्राओं, अध्यापकों, परिचालकों व चालकों को जागरूक किया। उन्होंने छात्र छात्राओं से आह्वान किया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से आप अपने आस पड़ोस में आमजन को यह संदेश दे कि गाड़ी तेज ना चलाएं, चलती गाड़ी में मोबाइल का प्रयोग ना करें, शराब पीकर गाड़ी न चलाएं, यातायात व सड़क सुरक्षा के नियमों के अनुसार ही गाड़ी चलाएं। रोड पर प्रवेश करते समय दाएं व बाएं देखकर की गाड़ी निकाले। उन्होंने छात्र छात्राओं से आह्वान किया है कि आप अपने जीवन में नशे का प्रयोग ना करें और अपने साथियों को भी नशे के प्रति जागरूक करें।

नारनौल। विजेता बच्चों के साथ जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा व सीजेएम नीलम कुमारी।

### यह रहे मौजूद

इस मौके पर जिला रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह, विंग कमांडर टेकचंद यादव, उप अधीक्षक चरण सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, उप मंडल कोऑर्डिनेटर रेडक्रॉस सोसायटी राजेश शर्मा झाड़ली, पवित्रा यादव, डॉ हंसराज गुर्जर, रमेश कुमार जांगड़ा, संदीप कुमार, अशोक कुमार, अजय कुमार, यशपाल, राजेश कुमार, राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

### छात्र छात्राओं को स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा व सीजेएम नीलम कुमारी ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को प्रस्तति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सीजेएम नीलम कुमारी ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपने जो चित्रकला के माध्यम से स्लोगन के माध्यम से नुक्कड़ नाटक व वाद विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से इस कार्यक्रम को सफल बनाया आप सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त यादव व सभी ब्लॉकों के खंड शिक्षा अधिकारियों व शिक्षा विभाग की टीम का भी तहे दिल से धन्यवाद किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त यादव व खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्रगढ़ अलका, खंड शिक्षा अधिकारी कनीना विश्वेश्वर शर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी नांगल चौधरी सुनीता यादव, खंड शिक्षा अधिकारी नारनौल पवन कुमार भारद्वाज, खंड शिक्षा अधिकारी अटेली का सफल आयोजन होने पर शिक्षा विभाग की तरफ से धन्यवाद किया।

महेंद्रगढ़। सीईओ मनीष राव को सम्मानित करते अमित यादव। फोटो : हरिभूमि

## जीनियस एकेडमी में मनाया गया 20वां स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

जीनियस एकेडमी में अपना 20वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप के सीईओ मनीष राव व मॉर्डन स्कूल के चेयरमैन सतन उपस्थित रहे। इस दौरान सांस्कृतिक प्रोग्राम व परितोषण का भी आयोजन किया गया।

विभिन्न सरकारी नौकरियों में चयनित विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि मनीष राव ने एकेडमी डायरेक्टर अमित यादव को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी एवं सभी उपस्थित विद्यार्थियों को मार्गदर्शन किया। उन्होनें कहा कि विद्यार्थियों को अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए एवं धैर्य रखना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि हमें अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। मनीष राव ने बताया की आज महेंद्रगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें अपने सपने बड़े रखने चाहिए और उन्हें साकार करने के लिए लगातार मेहनत करनी चाहिए। चेयरमैन सतन ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सुनील कुमार, देवेंद्र बैरावास, दिलेर सिंह, जयपाल, ओमबीर, देवेंद्र, सतीश, ध्यान सिंह, पिंकी, सोनू, राधिका, सुरेंद्र, पवन, कृष्ण सैनी सहित सभी स्टॉफ सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## आरआरसीएम स्कूल में पीटीएम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

आरआरसीएम स्कूल में रविवार को माता-पिता शिक्षक बैठक का आयोजन हुआ। इस दौरान ब्रेनलर्न करियर काउंसलिंग की तरफ से फाउंडर एंड बिजनेस हेड अमित कुमार ने भी माता-पिता को संबोधित करते हुए बताया कि आज के जीवन में बच्चों को एकेडमिक के साथ-साथ सामाजिक बनाना भी बहुत ही जरूरी है।

इसके उपरांत चेयरमैन रोशन लाल यादव ने बताया अभिभावक-शिक्षक बैठक आपके बच्चे को बेहतर ढंग से समझने का एक बेहतरीन अवसर हैं। शिक्षक व्यवहार, कौशल और स्कूल में उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी साझा करते हैं। यह जानकारी आपके बच्चे के सीखने के सफर को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में आपकी मदद कर सकती है।

यह आपके बच्चे के बारे में ऐसी बातें जानने का एक अवसर है, जो आप घर पर नहीं देख पाते, जिससे ये बैठक हर अभिभावक के लिए मूल्यवान बन जाती हैं, इसलिए समय-समय पर माता-पिता शिक्षक बैठक का आयोजन होता रहना चाहिए।

महेंद्रगढ़। मीटिंग में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

## आरएसएस विद्यालय की छात्रा असमी ने पाया द्वितीय स्थान

**महेंद्रगढ़।** जिला रेडक्रॉस सोसायटी नारनौल द्वारा जिला स्तर पर आयोजित सेमिनार रोड रूल्स लाइफ टूल्स का आयोजन किया गया, जिसमें खंड स्तर पर विजेता रहे विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें आरएसएस स्कूल की कक्षा आठवीं की छात्रा असमी ने स्लोगन में दूसरा स्थान एवं प्रश्नोत्तरी में कक्षा पांचवी की छात्रा खुशी ने भी दूसरा स्थान प्राप्त किया। जिला रेडक्रॉस विभाग के अधिकारियों द्वारा छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके उपरांत विजेता विद्यार्थियों के विद्यालय में पहुंचने पर आरआरसीएम ग्रुप अध्यक्ष रोशन लाल यादव एवं समस्त शिक्षकों द्वारा छात्राओं को सम्मानित किया गया।

## इंडस वैली स्कूल में हुई अध्यापक-अभिभावक मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

इंडस वैली पब्लिक स्कूल दौंगड़ा अहीर में अध्यापक-अभिभावक मीटिंग का आयोजन किया गया। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आपस में मिल-बैठकर चर्चा की और शैक्षिक परिणाम साझा किए। जिसमें अभिभावकों ने बड़े उल्लास के साथ अपने बच्चों के परिणाम लेने के लिए उनके अध्यापकों से बैठक की।

अध्यापकों एवं अभिभावकों ने मिल-बैठकर प्रत्येक बच्चे की कमजोरियों को दूर करने के लिए समीक्षा की। जिसमें बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रहने एवं घर पर दोहराई हेतु कम से कम 5-6 घंटे समय देने के लिए बात रखी। प्राचार्य जयवीर सिंह यादव ने बताया कि हम समय-समय पर इस प्रकार की बैठक का आयोजन करते रहते हैं, जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहते हुए सुझाव एवं शिकायतें सादर आमंत्रित रहती हैं। इस अवसर पर चेयरमैन धर्मेन्द्र यादव, वाइस चेयरमैन विजय सिंह यादव, निदेशक केसी यादव, प्राचार्य जयवीर सिंह यादव, उप प्राचार्य वीर सिंह यादव उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। अपने बच्चों की रिपोर्ट लेते अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। मॉल का भ्रमण करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

## बचपन प्ले स्कूल के 80 बच्चे गए रिलायंस मॉल में

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

मौदाश्रम मंदिर के सामने मोहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल की चेयरपर्सन निशा सैनी के नेतृत्व में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने 80 बच्चे रिलायंस मॉल में भ्रमण करने के लिए गए।

बचपन प्ले स्कूल हेड रूपाली अरोड़ा एवं प्राचार्या ज्योति शर्मा ने बताया कि वहां पहुंचकर विद्यालय की अध्यापिकाओं ने बच्चों को मूल्यांकन करना सिखाया व प्रैक्टिकल नॉलेज द प्रोडक्ट पर एक्सपायरी डेट की जानकारी दी तथा इसके अतिरिक्त प्रिंट रीड आउट करना, वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन रीड करना आदि के बारे में बताया। इस अवसर पर उप प्राचार्या मोनिका दीवान, पूनम गोस्वामी, रेनू, महिमा, महक, प्रियंका आदि मौजूद रही।

## पूर्व विधायक फूसाराम ने 36 बिरादरी को साथ लेकर काम किया: मंजू चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नांगल चौधरी

नारनौल के पूर्व विधायक एवं हैफेड के चेयरमैन रहे चौ. फूसाराम की 28वीं पुण्य तिथि पर छापड़ा बीबीपुर फार्म हाउस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इसके बाद हवन में आहुति डालकर विश्व कल्याण की मन्नतें मांगी गई। कार्यक्रम में दिवंगत नेता की पत्नी ग्यारसी देवी, पुत्र पूर्व विधायक चौ. मूलाराम व पुत्रवधू नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रही। उन्होंने कार्यकर्ताओं को स्व. फूसाराम की जीवनी से अवगत कराया तथा दैनिक दिनचर्या में सेवा भावना का समावेश करने के लिए प्रेरित किया।

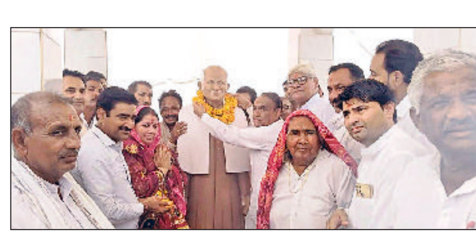

नांगल चौधरी। पूर्व विधायक फूसाराम को श्रद्धांजलि अर्पित करती विधायक मंजू चौधरी।

उन्होंने कहा कि चौ. फूसाराम ने सत्ता का इस्तेमाल निजी स्वार्थों के लिए नहीं किया। उन्होंने जनता की सेवा, समपर्ण तथा जरूरतमंदों तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए निरंतर संघर्ष किया था। 36 बिरादरी के सहयोग को राजनीतिक सफर से जोड़कर रखा और विकास कार्यों में समानता बनाए रखी। जिस कारण तीन बार नारनौल हलके का प्रतिनिधित्व करने का गौरव हासिल किया।

उन्होंने गरीब किसान और मजदूरों की दैनिक दिनचर्या को नजदीक से देखा था, इसलिए विधायक बनते ही उन्होंने ग्रामीण स्कूलों को अपग्रेड कराने का संकल्प लिया था। उनका तर्क था कि शिक्षा ही एकमात्र हथियार है, जिसकी ताकत से गरीबी को मिटाया जा सकेगा। हैफेड के चेयरमैन रहते हुए उन्होंने नारनौल में ऑयल मील, दत्ताल में स्कूल अपग्रेड तथा सड़क निर्माण कराया था।

## सरस्वती विद्यालय में पीटीएम आयोजित

**महेंद्रगढ़।** सरस्वती शिक्षा निकेतन विद्यालय माजरा कलां में अभिभावक-शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में ज्यादा से ज्यादा अभिभावकों ने उपस्थिति देकर बच्चों के शैक्षिक व पाठ्योत्तर गतिविधियों की प्रगति एवं परिणाम की जानकारी लेते हुए अध्यापकों से विचार।विमर्श किया। चेयरमैन रोशनलाल यादव ने सभी अभिभावकों को संबोधित करते हुए बच्चों के बेहतरीन परिणाम लाने में अभिभावकों से मदद की अपील की। प्रधानाचार्य सत्यवीर सिंह ने भी इस अवसर पर अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए बताया कि बच्चों के अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए विद्यालय व अभिभावकों का विशेष योगदान रहता है।

महेंद्रगढ़। पीटीएम में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। मीटिंग में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

## ज्ञानकोष-ए-ग्लोबल स्कूल में पीटीएम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

खरखड़ा-आकोदा स्थित ज्ञानकोश-ए-ग्लोबल स्कूल में अभिभावक शिक्षक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सीईओ राकेश कुमार ने बताया कि विद्यालय में पीटीएम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनको शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने और उनके प्रतिभा को निकालने में मदद करती है, उन्हें यह आभास होता है कि उनके शिक्षक और अभिभावक उन्हें ध्यान से देख रहे हैं और शैक्षणिक तथा गतिविधियों में उनकी सफलता के लिए तत्पर है। उन्होंने बताया कि अभिभावक स्कूल में अपने बच्चों के व्यवहार के बारे में शिक्षकों से बात करने तथा माता-पिता को यह समझने में मदद मिलती है कि उनके बच्चे घर पर विशिष्ट परिस्थितियों में क्या व्यवहार करते हैं। प्राचार्य रामनिवास यादव ने बताया कि शिक्षक-अभिभावक मीटिंग घर और स्कूल के बीच सहयोग को मजबूत करता है।

**स्पर्धा** | भोजावास में आयोजित की गई खेलकूद प्रतियोगिता

# पुलिस का नशे के खिलाफ खेल प्रतियोगिताओं के जरिए युवाओं को जागरूक करने का अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कनीना

जिला पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार जिले के प्रत्येक गांव को नशामुक्त बनाने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया गया है। जिसके अंतर्गत पुलिस युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित कर रही है। इस अभियान के अंतर्गत थाना सदर पुलिस ने गांव भोजावास में एक खो खो प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में गांवों की टीमों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल से जोड़कर उन्हें नशे के शारिरिक और आर्थिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करना था। सरपंच पवन सहित गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

सरपंच ने पुलिस की इस मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करेगी। जिससे वे नशे से दूर रह सकेंगे। उन्होंने समाज को नशामुक्त बनाने में अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन लिया।

कनीना। भोजावास में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से परिचय करते एसआई सुखबीर सिंह।

थाना प्रबंधक उप निरीक्षक सज्जन वशिष्ठ ने युवाओं और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए समाज से नशे को जड़ से खत्म करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पुलिस युवाओं को शिक्षा और खेलों के प्रति प्रेरित कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग के एसपीओ जिले के विभिन्न गांवों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर युवाओं को खेलों से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उप निरीक्षक सज्जन ने लोगों से अपील की कि अगर उन्हें किसी भी नशा तस्कर की जानकारी मिलती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे तस्करों का सही स्थान जेल है। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि नशा करने वाले व्यक्तियों की सूचना भी पुलिस को दी जानी चाहिए। ऐसे व्यक्तियों की काउंसलिंग कराई जाएगी और उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिसमें पुलिस हर संभव सहायता देगी। एसआई सुखबीर सिंह ने विजेता टीम को पारितोषिक वितरित किए।

### जियो फेसिंग के विरोध में आज काम छोड़ प्रदर्शन करेंगे स्वास्थ्य कर्मचारी

**नारनौल।** लोकेशन आधारित जियो फेसिंग हाजिरी के विरोध में 4 अगस्त को सिविल सर्जन कार्यालयों पर स्वास्थ्य विभाग हरियाणा के सभी श्रेणी के अधिकारी और कर्मचारी एक घण्टे काम बंद करेंगें व गेट मीटिंग कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। यह जानकारी बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन की राज्य प्रधान शर्मिला ने 4 अगस्त के काम छोड़ो आंदोलन की तैयारी की समीक्षा के लिए की गई राज्य कमेटी की जूम मीटिंग के बाद प्रेस को जारी विज्ञप्ति में दी। राज्य प्रधान शर्मिला ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग अधिकारी कर्मचारी तालमेल कमेटी के आह्वान पर निजता और गोपनीयता को हनन करने वाली लोकेशन आधारित हाजिरी व्यवस्था को बंद करवाने के लिए पूरे प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग का अधिकारी व कर्मचारी एक मंच पर आकर आंदोलन करने को मजबूर है। इस बैठक में सोमवार के आंदोलन के लिए सभी पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। महासचिव सहदेव आर्य सांगवान ने बताया कि पिछले दो महीने से स्वास्थ्य मंत्री व उच्च अधिकारियों से ज्ञापन के माध्यम व मिलकर जियो फेंसिंग हाजरी को बंद करने की अपील की जा चुकी है, लेकिन सरकार हठधर्मिता पर अड़ी है, जिसका जवाब 4 अगस्त को काम बंद करके दिया जाएगा।

TAGORE SEC. SCHOOL
An English Medium Co-Educational Cultural School (Nursery to x)
SAINIK SCHOOL
NAVODAYA SCHOOL
MILITARY SCHOOL
DEVNARAYAN
HOSTEL FACILITY
LIBRARY
ADMISSION OPEN 2025-26
BABERA ROAD, SANGTEDA, KOTPUTLI (RAJ.) Contact Us : 9256537272, 9314153444
TAGORE COLLEGE
Dr. B.R. Ambedkar Law University, Jaipur
D-PHARMA
Limited Seats PCM, PCB
ADMISSION OPEN
LL.M 2 Year
LL.B 3 Year
For Admission : 9549210000, 8432044810

**सरपंच ग्राम पंचायत मोड़ी, खंड कनीना, जिला महेंद्रगढ**

**-बोली सूचना-**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मोड़ी, विकास खंड कनीना, जिला महेंद्रगढ, हरियाणा की ओर से गांव के शमशान घाट में लगे कंडम हो चुके टीनशेड की खुली बोली बुधवार, दिनांक 6 अगस्त 2025 को सुबह 11:30 बजे शमशान घाट परिसर में लगायी जायेगी। इच्छुक बोलीदाता मूल्य 2000/- रूपये अदा कर बोली में हिस्सा ले सकता है। बोली की शर्तें मौके पर सुना दी जाएगीं।

| | | | |
|---|---|---|---|
| बीडीपीओ | खंड पटवारी | ग्राम सचिव | सरपंच |
| कनीना | अशोक कुमार | प्रशनजीत | अनीता देवी |
| 9999896901 | 9416189410 | 9671692497 | 8816952411 |

# नीरपुर राजपूत के सरपंच रतनपाल चौहान को प्रधानमंत्री करेंगे सम्मानित

■ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहले ही कर चुके हैं सम्मानित, गांव में स्टेडियम और जल संरक्षण के लिए किए गए खास प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

स्वच्छ भारत मिशन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अटेली ब्लॉक के गांव नीरपुर राजपूत के सरपंच रतनपाल चौहान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 अगस्त को सम्मानित करेंगे। यह सम्मान उन्हें गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए किए गए प्रयासों के लिए दिया जा रहा है। सरकार की ओर से उन्हें नियुक्ति पत्र मिल चुका है। सरपंच रतनपाल चौहान को इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी सम्मानित कर चुके हैं। सरपंच रतनपाल चौहान ने बताया कि गांव में स्वच्छता और जल संरक्षण पर गांव में खेल के लिए दिन रात्रि खेल स्टेडियम, गांव को नशा मुक्त भी किया गया है गांव में खेल के लिए युवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। गांव में जोहड़ खुदवाकर गांव के पुराने जोहड़ को नहर से कनेक्ट करवा कर पानी पर बंद किया गया। पीने के पानी के लिए गांव में दो साल में तीन नए बोर करवाए गए। गांव में स्ट्रीट लाइट लगवाई गई। गांव नीरपुर राजपूत में नशे के खिलाफ अभियान में गांव को नशा मुख मुक्त बना कर जिला पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ से सरपंच सम्मानित हो चुके है। वहीं

मंडी अटेली। गांव में बनाया गया साफ सुथरा खेल स्टेडियम। फोटो : हरिभूमि

गाव में गंदे पानी की निकासी के लिए सिविर लाइन बिछाने का कार्य किया गया।

जल संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। नालियों के पानी को एक जगह एकत्रित करके बागवानी और पौधों की सिंचाई के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। गांव में एक आधुनिक स्टेडियम का निर्माण भी करवाया गया है, जिसमें सिंथेटिक्स रनिंग का कार्य निर्माणाधीन है यह स्टेडियम गांव के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित कर रहा है।

सरपंच रतन पाल चौहान ने गांव में लगभग एक करोड़ रुपए सीएसआर फण्ड से गांव में कार्य करवा चुके है यह पैसा अलग अलग प्राइवेट कंपनी द्वारा खर्च किए गए है। उनका सपना नीरपुर राजपूत को एक आदर्श गांव बनाना है ताकि अन्य गांवों के लोग भी यहां से प्रेरणा ले सकें। वहीं इसी वर्ष 22 मार्च को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरपंच रतनपाल सिंह चौहान को पंचकूला के ताऊ देवलाल स्टेडियम में बेस्ट सरपंच के अवार्ड से सम्मानित किया। इस श्रेणी में पूरे हरियाणा के तीन सरपंचों को चुना था। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती तथा पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ व अन्य अधिकारी समय-समय पर गांव नीरपुर राजपूत में पहुंच कर सरपंच तथा ग्रामीणों को प्रोत्साहित करते रहते हैं। गांव के सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्टेडियम में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों व ग्रामीणों के बीच क्रिकेट मैच भी होता रहा है। सरपंच रतनपाल सिंह चौहान ने गांव में जल बचाने के लिए अथक प्रयास किए हैं।

गांव के घरों से निकलने वाले बरसाती पानी व गंदे पानी के लिए अलग-अलग तालाब खुदवाएं है ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके और भूमिगत जल को रिचार्ज किया जा सके। गांव में समय-समय पर जल बचाने के लिए प्रेरणा शिविरों का आयोजन भी होता रहा है। इसके अलावा इस गांव को नशा मुक्त हरियाणा के तहत नशा मुक्त गांव घोषित किया गया है।

### यह बोले सरपंच

सरपंच रतन पाल चौहान ने बताया कि गांव में खेलने के लिए खेल स्टेडियम तैयार किया हुआ है। इसके अलावा गांव के लोगों को नशे से दूर रहने के लिए मुहिम चलाई हुई है। गांव में एक क्लब बनाया हुआ है आसपास के किसी भी गांव एवं शहर के युवा खेल से जुड़ने के लिए उनके क्लब से जुड़ सकता है। उनके क्लब में लगभग फिलहाल 500 बच्चे हैं। अभी फिलहाल नारनौल, नांगल चौधरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, दोचाना ,जौरासी, निजामपुर के अलावा अटेली क्षेत्र के गांवों के बच्चे आते हैं। उन सभी बच्चों का काम खेल ग्राउंड की साफ सफाई से लेकर मेंटेनेंस का कार्य होता है। उनके पास कुल 10 क्रिकेट की टीमें है। अभी उन सभी टीमों के टूर्नामेंट चले हुए हैं। जिसके मैच प्रत्येक शनिवार और रविवार को होते हैं। जिसका फाइनल इसी माह 17 अगस्त गोगा नवमी को होगा। उनका क्षेत्र नशा मुक्त होकर खेलों के में अपना ध्यान दें। क्षेत्र में अनेक ऐसे बच्चे हैं जिनकी प्रतिभाओं को निखारने के लिए ग्राम पंचायत एवं क्लब कार्य कर रहा है। क्षेत्र के बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निकल कर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकते हैं।

## खबर संक्षेप

### कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

**नारनौल।** पूर्व बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के समीप आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के समय प्रदेश में कांग्रेस की बहुत हवा थी। आम धारणा थी कि कांग्रेस की सरकार ही बनेगी। मगर वह हवा नहीं रही और प्रदेश में फिर से भाजपा की तीसरी बार सरकार बन गई। उन्होंने कहा कि सभी लोगों का दिन व समय होता है। आज देश में मोदी का समय है। पहले नेहरू, इंदिरा, राजीव तथा चौधरी देवीलाल का समय था।

### शिक्षक ट्रस्ट व युवा सेवक संघ ने ढोसी पर किया हवन

**नारनौल।** युवा सेवक संघ वं प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में श्रावण मास के रविवार को ढोसी पर्वत पर हवन व प्रसाद का आयोजन किया गया। इस बारे जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि च्यवन ऋषि के आश्रम में यज्ञ आयोजन में वैदिक हवन की आहुतियां डाली गई और यज्ञ पूर्ण कर खीर व जलेबी का प्रसाद वितरित किया गया। हवन में मुख्य यजमान ट्रस्टी राकेश शर्मा व प्रदीप बगड़ावत रहे।

### जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित

**नारनौल।** रेडक्रॉस भवन में रविवार को गोसेवक सुधीर कुमार के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। बाबा निहालचंद सेवा दल के प्रमुख संदीप यादव ने बताया कि गोसेवक सुधीर कुमार के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बाबा निहाल चंद सेवादल पटीकरा व गोमाता उपचारशाला के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का लगाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, विशिष्ठ अतिथि सामाजसेवी पवन यादव व प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा थे।

### 133वीं भव्य प्रभातफेरी का आयोजन

**नारनौल।** नगर की प्रसिद्ध सामाजिक एवं धार्मिक संस्था श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार को 133वीं भव्य प्रभातफेरी का आयोजन आदर्श नगर स्थित श्री मेहंदीपुर बालाजी मंदिर अमृतधारा कॉलोनी से किया गया। प्रभात फेरी की शुरुआत ठाकुर जी की आरती व मंदिर के सेवक कमल की ओर से सभी भक्तों को चंदन तिलक लगाकर की गई।

### पर्यावरण संरक्षण के लिए अपना दायित्व समझें सभी

**नारनौल।** पर्यावरण के प्रति अपने निष्ठा व दायित्व को जब तक प्रत्येक नागरिक नहीं समझेगा, तब तक आने वाली भयवाह स्थिति से हम मुकाबला नहीं कर पाएंगे। जुलाई माह में सांस्कृतिक अहीरवाल ने पर्यावरण के प्रति दायित्व का निर्वहन किया। सत्यव्रत शास्त्री ने कहा जिले में सांस्कृतिक अहीरवाल के जुड़े साथियों के माध्यम से 82 से स्थानों पर 426 व्यक्तियों की ओर से लगाए 522 पौधों का पालन का संकल्प किया।

## विधायक ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

# ढोसी हिल्स की तलहटी में मनाया जिलास्तरीय वन महोत्सव

विधायक ने कहा कि हरियाणा सरकार ने वन संरक्षण व हरियाली को बढ़ावा देने के लिए वन मित्र योजना जैसी महत्वपूर्ण पहल की है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार राज्य के वन और वृक्ष आवरण को बढ़ावा देने के साथ साथ जैव विविधता का संरक्षण करते हुए नागरिकों के लिए एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने को कृतसंकल्पित है। यादव रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कुलताजपुर गांव की ढोसी हिल्स की तलहटी में स्थित च्यवन वाटिका हर्बल पार्क ढोसी में पौधारोपण के बाद जिला स्तरीय वन महोत्सव में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद थे। इसके अलावा महेंद्रगढ़ की एसडीएम कनिका गोयल भी मौजूद थी।

नारनौल। जिला स्तरीय वन महोत्सव में मौजूद विधायक ओमप्रकाश यादव व महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार ने वन संरक्षण व हरियाली को बढ़ावा देने के लिए वन मित्र योजना जैसी महत्वपूर्ण पहल की है। जिसका उद्देश्य गैर वन भूमि पर पौधारोपण गतिविधियों में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के तहतए सरकार वन मित्रों को पौधे लगाने और उनकी देखभाल के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इससे न केवल हरियाली बढ़ती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा होते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को आगे बढ़ते हुए एक पौधा जरूर लगाएं तथा उसे बड़ा होने तक संरक्षित रखें।

### जिले में प्रकृति ने दिए खूबसूरत स्थान

इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि महर्षि च्यवन की धरा को इस कार्यक्रम के लिए चुना जाना हम सबके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ में प्रकृति ने बहुत से खूबसूरत स्थान दिए हैं। इनमें ढोसी पहाड़ भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। जहां सरकार टूरिज्म को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। यहां रोपवे प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद बहुत बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने आह्वान किया कि सभी सामाजिक संस्थाएं व आम नागरिक मिलकर प्रकृति को पेड़ पौधे लगाकर व सुंदर बनाने का प्रयास करें।

### जिले में 7.40 लाख पौधे वितरित करने का लक्ष्य

इस अवसर पर उप वन संरक्षक विजेंद्र सिंह ने मेहमानों का स्वागत करते हुए बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में इस वर्ष 7.40 लाख पौधे वितरित करने व लगाने का लक्ष्य है। वन विभाग एक एक पौधे को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि च्यवन वाटिका हर्बल पार्क में चवनप्राश में प्रयोग होने वाली सभी प्रकार की जड़ी बूटियों को लगाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर वन संरक्षण को लेकर आयोजित चित्रकला व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नागरिकों को पौधे भी वितरित किए गए। इस मौके पर जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, क्षेत्रीय वन संरक्षक रजनीश कुमार, कुलताजपुर के सरपंच विक्रम सिंह के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

# स्वरोजगार देने के लिए सावधि ऋण योजना व सूक्ष्म वित्त योजना शुरू

■ इच्छुक उम्मीदवार 21 तक ऑनलाइन व कार्यालय में कर सकते हैं आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ओर से अनुसूचित जाति के लोगों को स्वरोजगार देने के लिए सावधि ऋण योजना व सूक्ष्म वित्त योजना शुरू की हैं। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति के लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सावधि ऋण योजना व सूक्ष्म वित्त योजना शुरू कर एक सराहनीय पहल की है।

उन्होंने बताया कि सावधि ऋण योजना के तहत निगम की ओर से स्वरोजगार के लिए दो लाख रुपये का ऋण आठ प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर पर दिया जाएगा। यदि ऋण की किस्त समय पर नहीं भरी जाती है, तो चार प्रतिशत की अतिरिक्त वार्षिक ब्याज दर लगेगी। इसी प्रकार सूक्ष्म वित्त योजना के तहत एक लाख रुपये का ऋण 6.50 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर पर प्रदान किया जाएगा। समय पर किस्त का भुगतान न करने पर चार प्रतिशत की अतिरिक्त वार्षिक ब्याज दर लगेगी।

**योजना के लिए पात्रता व शर्तें**

इन योजनाओं के लिए आवेदक हरियाणा का स्थायी निवासी और अनुसूचित जाति से संबंधित होना चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। परिवार पहचान पत्र के अनुसार आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय तीन लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक ने पहले किसी बैंक या निगम से लिए गए ऋण का दुरुपयोग न किया हो और वह डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। इन योजनाओं में 50 हजार रुपये या परियोजना लागत का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) तक की सब्सिडी का लाभ भी मिलेगा।

### आवेदन कैसे करें

इच्छुक उम्मीदवार 21 अगस्त तक निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा आवेदक सिंघाना रोड केशव नगर गली नंबर तीन के मकान नंबर 2210 स्थित निगम कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए कार्यालय के लैंडलाइन नंबर 01282-250253 पर संपर्क कर सकते हैं।

### ये दस्तावेज

आवेदन के लिए दो पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, पहचान पत्र, पैन कार्ड, सत्यापित परिवार पहचान पत्र, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र व शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र शामिल हैं।

## 31 वर्ष पूर्व शहीद हुए सैनिक के घर पर पहुंचे सैन्य अधिकारी

**कनीना।** गांव बव्वा में रविवार को सीआरपीएफ के समूह केंद्र गुरुग्राम से पैरामिलिट्री के अधिकारी पूर्व लांस नायक शहीद जगदीश प्रसाद को श्रद्धांजलि व परिजनों को स्मृति चिह्न देने पहुंचे। डिप्टी कमांडेंट मनोज कुमार सत्यार्थी ने बताया कि सीआरपीएफ 112 बटालियन के लांसनायक जगदीश प्रसाद तीन अगस्त 1994 को शहीद हो गए थे। 300 जवानों की बटालियन जम्मू से श्रीनगर जा रही थी, रामबन के पास आतंकवादियों ने घात लगाकर उनकी टुकडी पर हमला कर दिया था। जिसमें छह जवान शहीद व 12 घायल हो गए थे। जिनमें लांस नायक जगदीश प्रसाद भी शामिल था। बलिदान दिवस के मौके पर सैन्य अधिकारियों ने शहीद जगदीश प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सरपंच सुनीता देवी ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद परिवार को हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। शहीद की पत्नी रामकला देवी बताया उनके पति वर्ष 1980 में भर्ती हुए थे, जो 14 वर्ष बाद श्रीनगर में शहीद हो गए। उनका पुत्र सियाराम भी सीआरपीएफ में सेवारत है। परिजन गांव में शहीद की प्रतिमा लगाने के लिए प्रयासरत है। इस मौके पर उपनिरीक्षक महावीर सिंह, पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह, जंगजीत सिंह, रामनिवास यादव, मनीष, कृष्ण, नरेश यादव आदि मौजूद थे।

कनीना। बव्वा में शहीद जगदीश प्रसाद के परिजनों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित करते अधिकारी।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

## कबड्डी प्रतियोगिता में स्पोर्ट्स क्लब खासपुर की टीम रही विजेता

**नारनौल।** श्री शनि शक्ति धाम खासपुर में आयोजित अंडर 19 कबड्डी प्रतियोगिता में खासपुर की स्पोर्ट्स क्लब टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में स्पोर्ट्स क्लब खासपुर टीम ने जबरदस्त खेल भावना और टीमवर्क का परिचय देते हुए विजयी ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। यशवीर यादव व अरविंद शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान रेफरी की भूमिका दीपक यादव व अंकित चौहान ने निभाई। खेल संचालन का विकास, अनिल और सचिन ने बखूबी संभाला। जिनके कुशल प्रबंधन से मुकाबले सुचारू रूप से संपन्न हुए। समापन समारोह में विजेता टीम को ट्रॉफी व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उपविजेता टीम को भी ट्रॉफी व पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से अटेली मंडी से मनीष, रामोतार यादव, लालचंद, बजरंग लाल यादव, सुखदेव, प्रवीण, अमरजीत सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

# अमेरिका के हस्तक्षेप पर भारत सरकार की चुप्पी निंदनीय और असहनीय: कॉमरेड दिलीप सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सचेत नागरिक मंच के संरक्षक कामरेड दिलीप सिंह एडवोकेट ने अमेरिका द्वारा भारत के खिलाफ तरह-तरह के बयान देने, भारत के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने, भारत की अर्थव्यवस्था को मरी हुई बताने, भारत-पाकिस्तान का सीज फायर करवाने के बार-बार बयान देने, भारत के व्यापारिक कंपनियों पर जुर्माना लगाने आदि मसलों पर भारत सरकार द्वारा अमेरिका के खिलाफ कोई भी प्रतिक्रिया न देने पर कड़ी आलोचना की है। गौरतलब है कि भारत के रुस व ईरान से बहुत पुराने व्यापारिक, सामरिक व दोस्ताना रिश्ते रहे हैं। भारत का भारी उद्योग व पन बिजली परियोजनाएं नेहरू के समय मे पूर्व सोवियत रूस की मदद से स्थापित हुई थी। भारत-बांग्लादेश युद्ध में रूस ने अमेरिका के खिलाफ जाकर भारत की हर तरह से पुरजोर मदद की थी। हाल ही में रूस भारत को सस्ता कच्चा पेट्रोलियम तेल उपलब्ध करवा रहा है। जबकि अमेरिका ने कभी भी भारत की संकट के समय मदद नहीं की, बल्कि भारत को और संकट में डाला है। भारत के स्पेस प्रोग्राम के लिए रूस से क्रायोजेनिक इंजन खरीदने पर भी अमेरिका ने अड़ंगा डाल था। हाल ही में अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस व ईरान से व्यापार करने वाली भारतीय कंपनियों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। यह उसी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया है, जिसको भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना दोस्त बताते हैं और उनके लिए चुनाव प्रचार करते हैं। कामरेड सिंह ने भारत के फिलिस्तीन व ईरान के प्रति सरकार के बदले हुए रुख की भी आलोचना की है। भारत हमेशा से ही राष्ट्रों की आजादी व माननीय मूल्य के साथ रहा है। इस समय गाजा में इजराइल व अमेरिका नरसंहार कर रहे हैं, भारत सरकार चुप है। भारत-पाकिस्तान युद्ध में आतंकवाद के खिलाफ किसी भी देश का भारत के साथ खुलकर न आना भारत की नाकाम विदेश नीति को दर्शाता है।

### एमआर स्कूल में अभिभावक अध्यापक संगोष्ठी आयोजित

**नारनौल।** एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में रविवार को कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक की अभिभावक-अध्यापक संगोष्ठी (पीटीएम) का आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावकों ने हिस्सा लिया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य बच्चों की शैक्षणिक, मानसिक और नैतिक प्रगति पर सकरात्मक संवाद स्थापित करना था। अभिभावकों ने बड़ी संख्या मे पहुंचकर बच्चों के बारे में शिक्षकों से विस्तार से बात की। संगोष्ठी में अभिभावकों ने बच्चों की अप्रैल से जुलाई माह की मासिक परीक्षाओं की रिपोर्ट प्राप्त की। अभिभावकों ने शिक्षकों से फाउंडेशन कक्षाओं ,ओलंपियाड, नवोदय, सैनिक स्कूल, स्मार्ट कक्षाओं, स्पोर्टस व अन्य गतिविधियों के बारे मे चर्चा की। स्कूल प्राचार्या अनिता यादव ने संगोष्ठी में आए अभिभावक के साथ बच्चों की रिपोर्ट को साझा करते हुए कहा कि आज के समय में बच्चों की शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि नैतिकता, आत्मनिर्भरता और सामाजिकता का विकास भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने अभिभावक को बताया कि प्रत्येक माता पिता एक समय सारणी के साथ घर पर बच्चों का अध्ययन करवाए।

## ठगी होने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं

# मजबूत पासवर्ड का करें प्रयोग, कमजोर पासवर्ड को रखना साइबर अपराध को निमंत्रण देना

■ एनसीआरपी पोर्टल साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर भी करा सकते हैं अपनी शिकायत दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आज के दौर में हर काम इंटरनेट पर निर्भर हो गया है। तमाम तरह के वित्तीय लेन देन मोबाइल के माध्यम से हो रहे हैं। वित्तीय लेन देन को लेकर मोबाइल व इंटरनेट पर निर्भरता बढ़ने से साइबर ठग विभिन्न तरीकों से साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। कमजोर पासवर्ड होने की वजह से भी कई बार साइबर अपराध का शिकार हो जाते हैं। इसलिए साइबर अटैक से बचने हेतु मजबूत पासवर्ड का अहम योगदान हो सकता है। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि साइबर अपराध से बचाने हेतु जिला पुलिस की ओर से आमजन को सेमिनार व गोष्ठियों के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को साइबर क्राइम बारे जागरूक किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ साइबर अपराध घटित हो जाता है, तो उसे किस प्रकार से बचा जा सकता है, इसके बारे विस्तार पूर्वक बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इंटरनेट का उपयोग करते समय साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी न होने के कारण अक्सर साइबर क्राइम का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी ठगी करने की नियत से अलग अलग तरह के तरीके अपनाते रहते हैं।

उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी की ओर से किसी व्यक्ति को झांसा देते हुए पैसे प्राप्त करने के लिए अलग अलग तरह के प्रलोभन देते हैं। ऐसे में हम जागरूक रहकर ही इस प्रकार की ठगी से बच सकते हैं।

अपने नेट बैंकिंग, ईमेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम इत्यादि अकाउंट पर मजबूत पासवर्ड लगाएं, ताकि अगर हैकर आपके खाते पर अटैक करता है, तो वह विफल हो जाए। डेट ऑफ बर्थ अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम इसके अलावा पासवर्ड बनाते समय कीबोर्ड पर एक पंक्ति के अक्षरों का इस्तेमाल न करें। अपने बैंक खाते ईमेल व सोशल मीडिया अकाउंट पर मजबूत पासवर्ड बनाए, ताकि आपका अकाउंट सुरक्षित रहे। खातों को मजबूत पासवर्ड के साथ रखें और अपने सभी अकाउंट का एक पासवर्ड न रखे। सभी अकाउंट का अलग अलग पासवर्ड रखें

### साइबर फ्राड से बचने के लिए ध्यान रखे

- अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट व बैंकिंग एप्स को सुरक्षित लॉक करके रखें।
- अपनी निजी जानकारी को किसी भी व्यक्ति से सांझा करने से बचें।
- मल्टी फैक्टर ओथेंटिकेशन का प्रयोग करें।
- अपना पासवर्ड स्ट्रॉन्ग रखें तथा किसी के साथ ओटीपी या अन्य जानकारी सांझा ना करें।
- किसी भी प्रकार की एप्प को सतर्कता के साथ प्रयोग करें।